

ରଥୟାତ୍ରା ବିଶେଷାଳ  
କୁନ୍-କୁଲାଇ- ୨୦୧୮

**ସୂଚୀ**

|  |                              |          |
|--|------------------------------|----------|
| • ଲୋକଙ୍କ ଆୟା ଓ ବିଶ୍ୱାସକୁ ସନ୍ଧାନ ଦେଇ ଉପର୍ଗୀକୃତ ମନୋଭାବ,        | ମାନ୍ୟବର ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ         | ... ୧    |
| ଦୃଢ଼ ସଂକଷ୍ଟ ଓ ନିଷାର ସହିତ କଠିନ ପରିଶ୍ରମ କରିବା ।                | ଡକ୍ଟର ଉମେଶ ଚନ୍ଦ୍ର ଚିନ୍ତିରା   | .... ୨୪  |
| • ରାସ ରସିକ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ                                       | ଡକ୍ଟର ତୁଳସୀ ଓଣ୍ଡୀ            | .... ୨୯  |
| • ରଥାଶ୍ୱ-ଏକ ତାରିକ ଅନୁଧାନ                                     | ସୁର୍ଯ୍ୟ ମିଶ୍ର                | .... ୩୩  |
| • ହୀନ ଅକିଂଚନ, ଅଭାଗା ମୁଁ ସତେ (କବିତା)                          | ଆର. ବାଲକ୍ରିଷ୍ଣନ              | .... ୩୮  |
| • ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ : ବହୁତାର ଦିବ୍ୟସ୍ଵରୂପ                           | ଡକ୍ଟର ଇତି ସାମନ୍ତ             | .... ୪୯  |
| • ଜଗନ୍ଧାଥ ସଂଝୁତିରେ ମା'ଲକ୍ଷ୍ମୀଙ୍କର ଭୂମିକା<br>ଏକ ମାନବୀୟ ଉତ୍ତରଣ | ଡକ୍ଟର ଭାଦ୍ରା ମିଶ୍ର           | .... ୫୭  |
| • ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ ମନ୍ଦିରର ବିଲୁପ୍ତ ସେବା ପରମରା                     | ଉମାକାନ୍ତ ଦାସ                 | .... ୬୧  |
| • କୋଟିଆରେ କଳାଶ୍ରୀମୁଖ   | ଡକ୍ଟର ବଳରାମ ଦାସ              | .... ୬୭  |
| • ତୁମୀ ପାଇଁ ତିନୋଟି ଏକପଦୀ (କବିତା)                             | ଡକ୍ଟର ହେମନ୍ତ କୁମାର ଛୋଟରାୟ    | .... ୭୭  |
| • ଶବରୀର ଅଇଁଠା ଫଳକୁ ଝୁରୁଛନ୍ତି କି ପ୍ରଭୁ!                       | ଡକ୍ଟର ଶରତ କୁମାର ବିଶ୍ୱାଳ      | .... ୭୩  |
| • ଭକ୍ତ ତୋ ବନ୍ଧୁ  | ଡକ୍ଟର କାନ୍ତୁ ଚରଣ ଶତପଥୀ       | .... ୭୭  |
| • କବି ଉପେତ୍ର ଭଞ୍ଜଙ୍କ ଦୃଷ୍ଟିରେ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥଙ୍କ ଚନ୍ଦନ ଯାତ୍ରା    | ହଂସନାଥ ମନ୍ଦୁଲି               | .... ୮୭  |
| • ତିନି ରଥେ ଆଜି (କବିତା)                                       | ଅଭିରାମ ନାୟକ                  | .... ୮୩  |
| • ଏକାଦଶ ସ୍ତରେ ତତ୍ତ୍ଵ ନିରୂପଣ                                  | ଗୁରୁକଳ୍ୟାଣ ମହାପାତ୍ର          | .... ୮୭  |
| • ଜଗନ୍ଧାଥ (କବିତା)  | ଡକ୍ଟର ତ୍ରିନାଥ ପଙ୍କନାୟକ       | .... ୮୮  |
| • ଓଡ଼ିଶା ଇତିହାସରେ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ                                | ଡକ୍ଟର ରଜତ କୁମାର କର           | .... ୯୩  |
| • ଶ୍ରୀମଦିରରେ ଶିଳାବ୍ରଦ୍ଧ                                      | ପଣ୍ଡିତ ସୁର୍ଯ୍ୟନାରାୟଣ ରଥଶର୍ମୀ | .... ୯୭  |
| • ଶଙ୍କା ପଞ୍ଚକମ   | ଶାଶ୍ଵତୀ ସୌମ୍ୟା ମିଶ୍ର         | .... ୯୯  |
| • ନିବେଦନ (କବିତା)   | ବଦ୍ରି ମିଶ୍ର                  | .... ୧୦୦ |
| • ଅମୃତ ଅନୁଭବ   | ସୌଭାଗ୍ୟା ରାୟ                 | .... ୧୦୭ |
| • ନୀଳକନ୍ଦରରେ ନୀଳମାଧବ (କବିତା)                                 | ଶ୍ୟାମ ପ୍ରକାଶ ସେନାପତି         | .... ୧୦୩ |
| • ଶ୍ରୀଜୀରଙ୍କ ରୂପକାନ୍ତିରେ ଗାହିଆର ଭୂମିକା: ଏକ ଅବଲୋକନ            | ଡକ୍ଟର ଗଙ୍ଗାତ୍ମୀ ଦେବୀ         | .... ୧୦୭ |
| • ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥଙ୍କ ଅଣସର ଓ ରଥ ଉପର ଭୋଗ                           |                              |          |

|  |                                  |          |
|--|----------------------------------|----------|
| • ସ୍ଵୟଂ ଲୀଳା (କବିତା)                                   | ନିବେଦିତା ଭଞ୍ଜ                    | .... ୧୦୮ |
| • ମଣିକାଞ୍ଚନର ଅପୂର୍ବ ମିଳନ                               | ପଣ୍ଡିତ ଅକ୍ଷୟ କୁମାର ପଢି           | .... ୧୦୯ |
| • ଡରିବି କାହାକୁ କିଆଁ କୁହ ପ୍ରଭୁ (କବିତା)                  | ଡକ୍ଟର ଗୋରହରି ରାଉଡ଼               | .... ୧୧୩ |
| • ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ : ସର୍ବଜନ ଭ୍ରାଣକର୍ତ୍ତା                    | ପରୀକ୍ଷିତ ମିଶ୍ର                   | .... ୧୧୪ |
| • ଶ୍ରୀମଦ୍ଭରତ ରନ୍ଧରାର                                   | ଦେବପ୍ରସାଦ ମିଶ୍ର                  | .... ୧୧୭ |
| • ଆହେ ନୀଳାଦ୍ଵି ବିହାରୀ                                  | ଡକ୍ଟର ଜନ୍ମେଜୟ ତୌରୁଠୀ             | .... ୧୨୧ |
| • ଜଗନ୍ନାଥ ହୋ ! କିଛି ମାଗିବିନି ତୋତେ (କବିତା)              | ଶରତ ଚନ୍ଦ୍ର ମୁଲିଆ                 | .... ୧୨୩ |
| • ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ ଡକ୍ଟର ଓ ଦର୍ଶନରେ ଭକ୍ତଶ୍ରେଷ୍ଠ ହନୁମାନ       | ସୁରେଶ କୁମାର ପ୍ରଧାନ               | .... ୧୨୪ |
| • ପାତାଳ ଶ୍ରୀକ୍ଷେତ୍ର                                    | ଶ୍ରୀମିବାସ ଆଚାର୍ୟ                 | .... ୧୨୭ |
| • ଜୟ ଜଗନ୍ନାଥ (କବିତା)                                   | ସ୍ଵେହଲଭା ମହାନ୍ତି                 | .... ୧୩୦ |
| • କ୍ଷେତ୍ରର ନାମ ତୁଳସୀ ରଥର ନାମ ବ୍ରହ୍ମତାଳଧୃଜ              | ପଣ୍ଡିତ ଡକ୍ଟର ସ୍ଵର୍ଗ୍ୟମଣି ଖୁଣ୍ଡିଆ | .... ୧୩୧ |
| • ରାଜରାଜେଶ୍ଵର ଦେଶରେ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ                        | ବିଚକ୍ଷଣା ବିଶ୍ୱାଳ                 | .... ୧୩୭ |
| • ତୋ ରଥ ଦଉଡ଼ି (କବିତା)                                  | ଦିଲ୍ଲୀପ କୁମାର ବେହୁରା             | .... ୧୩୮ |
| • ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ ସଂସ୍କୃତି ଓ ଆୟୁର୍ବେଦ                      | ଡାକ୍ତର ଦୀନବନ୍ଧୁ ମହାରଣା           | .... ୧୩୯ |
| • ଶ୍ରୀମଦ୍ଭରତରେ ଦୁର୍ଗାମାଧବ ଉପାସନା                       | ନିରଞ୍ଜନ ପ୍ରଧାନ                   | .... ୧୪୨ |
| • କୃଷ୍ଣାର୍କ ପାର୍ବତୀ ହରାଃ                               | ମଧୁସୂଦନ ପଙ୍ଜନାୟକ                 | .... ୧୪୪ |
| • ଆହେ ଦୁଃଖନାଶନ (କବିତା)                                 | ଗୋଲାପ ମଞ୍ଜରୀ ନନ୍ଦ                | .... ୧୪୭ |
| • ଶାରଳା ମଣ୍ଡଳରେ ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତିର ପ୍ରଭାବ ଓ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି | ବସନ୍ତ କୁମାର ନାୟକ                 | .... ୧୪୮ |
| • ଭକ୍ତର ଭାବରେ ବନ୍ଧା ଭଗବାନ                              | ପ୍ରମୋଦା ଦେବୀ                     | .... ୧୪୯ |
| • କିଆଁ କରୁଆଛ ତେରି (କବିତା)                              | ଅଧ୍ୟାପିକା ଶୌଦାମିନୀ ବେହେରା        | .... ୧୪୯ |
| • ଶାବର ଶ୍ରୀକ୍ଷେତ୍ରରେ ରଥଯାତ୍ରା                          | ଡକ୍ଟର ପ୍ରମୋଦିନୀ ହୋତା             | .... ୧୫୦ |
| • ଜପୁଆୟ ତୋର ନାମ (କବିତା)                                | ବ୍ରଜେଶ୍ଵରୀ ସିଂହ ସ୍ବାଲ୍ଲୋ         | .... ୧୫୦ |
| • ସମ୍ବଲପୁର ସହରରେ ରଥଯାତ୍ରା                              | ଅଧ୍ୟାପକ ପବିତ୍ର ମୋହନ ବାରିକ        | .... ୧୫୧ |
| • ରହସ୍ୟମାୟ ଜଗନ୍ନାଥ                                     | ଡକ୍ଟର ଶରତ ଚନ୍ଦ୍ର ବିଶ୍ୱାଳ         | .... ୧୫୩ |
| • ଯଥା ଦେହେ ତଥା ଦେବେ                                    | ଡକ୍ଟର ଆରତି କର                    | .... ୧୫୩ |
| • ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥଙ୍କ ପରମ ଭକ୍ତ : ଚନ୍ଦନ ହଙ୍କୁଠୀ              | ବିମଳା ସିଂହ                       | .... ୧୫୧ |
| • କରୁଣାମାୟ ଜଗନ୍ନାଥ (କବିତା)                             | ଦୁର୍ଗା ଚରଣ ନନ୍ଦ                  | .... ୧୫୪ |

|   |                                  |          |
|---|----------------------------------|----------|
| • শ্রীজগন্ধার্থক উপরে আধাৰিত ওড়িଆ চলচ্চিত্ৰ            | দিলুপ হালি                       | .... ১৭৪ |
| • ওଡ়িশারে নাগধৰ্ম প্ৰভু শ্রীজগন্ধার্থ-এক বিংহাবলোকন    | তকৃৰ মনসা শ্রীচদন (ৱায়)         | .... ১৭৯ |
| • চিত্তা চেতনারে শ্রীজগন্ধার্থ                          | গৌধুৱী বিষ্ণু প্ৰসাদ নন্দ        | .... ১৮৭ |
| • শ্রীমদ্বিতীয়ে শ্রীগণেশ ও গজানন বেশ রহস্য             | অধ্যাপক তকৃৰ অংশোক কুমাৰ মহান্তি | .... ১৯৭ |
| • পোথু ও পঞ্জচিত্রে জয়দেবকৃত গাঁওগোবিন্দ               | প্ৰফেসৱ তাঙ্কুৰ সৰ্বেশ্বৰ কৰ     | .... ১৯৪ |
| • এৰ ওড়িଆক ঠাকুৰ : শ্রীজগন্ধার্থ                       | তকৃৰ গোপালচন্দ্ৰ বাৰিক           | .... ১৯৭ |
| • সকল তীর্থ জগতৰ নাথ শ্রীজগন্ধার্থ                      | ଉৰ্মিলা মিশ্ৰ                    | .... ১০০ |
| • শৰীৰ (কবিতা)  | শঙ্কি প্ৰসাদ প্ৰধান              | .... ১০৯ |
| • যোগ বাংলাতি ও শ্রীজগন্ধার্থ                           | কাঞ্চনারায়ণ মহান্তি             | .... ১০১ |
| • লগাইলে তোৱি যিবি তোৱি পুৱা (কবিতা)                    | তকৃৰ সুকান্তি ত্ৰিপাঠী           | .... ১০৭ |
| • ওড়িଆ সাহিত্যে শ্রীজগন্ধার্থ                          | তকৃৰ বিজ্ঞার্থ কানুনগো           | .... ১০৭ |
| • শ্রীজগন্ধার্থ ও রথযাত্ৰা                              | তকৃৰ দুৰ্গাপ্ৰসন্ন গৌধুৱী        | .... ১১১ |
| • চাৰিদ্বাৰ হনুমান ও ভক্ত সন্ত দাস                      | পাতায়ৰ প্ৰধানী                  | .... ১১৩ |
| • দারুব্ৰহ্ম  | তকৃৰ কিশোৱ মহান্তি               | .... ১১৪ |
| • প্ৰভুজৰ মহালীকা রথযাত্ৰা (কবিতা)                      | অমিকা স্বাই                      | .... ১১৭ |
| • ছেৱাপহঁৰার গুৰুত্ব                                    | প্ৰভাত কুমাৰ নন্দ                | .... ১১৭ |
| • ওড়িଆ চৰ্তিশা সাহিত্যে শ্রীজগন্ধার্থক গুণ্ঠিতা যাত্ৰা | তকৃৰ হৰিষ্টন্ত্ৰ বেহেৱা          | .... ১১১ |
| • ওড়িଆ সাহিত্যে জগন্ধার্থক বৌজ মুদ্রাঙ্ক               | তকৃৰ সৰ্বেশ্বৰ ঘেৱা              | .... ১১৭ |
| • তো পাদে গলি মুঁ শৱণ (কবিতা)                           | ছৱা মিশ্ৰ                        | .... ১১১ |
| • দেহি পদ পলুৰ মুদ্বাৰম                                 | পূৰ্ণচন্দ্ৰ দাস                  | .... ১১৭ |
| • বিশ্ববোধৰ দেবতা শ্রীজগন্ধার্থ                         | প্ৰফেসৱ তকৃৰ শৱতচন্দ্ৰ রথ        | .... ১১৭ |
| • আঙুলাএ পূজাপুল (কবিতা)                                | দেবাশিষ চক্ৰবৰ্জী                | .... ১১৯ |
| • শ্রীৱামকৃষ্ণ ও মহাপ্ৰভু শ্রীজগন্ধার্থ                 | তকৃৰ শৌৰীবংধু কৰ                 | .... ১৪০ |
| • শ্রীজগন্ধার্থ : চিত্তা ও চেতনাৰ প্ৰতীক                | তাপস কুমাৰ সাহা                  | .... ১৪৯ |
| • দিব্য বাংদৰ্শন (কবিতা)                                | তকৃৰ সৱোজিনি ষষ্ঠিজ্ঞী           | .... ১৪৪ |
| • মুঁ ষেত্ৰ যিবি (কবিতা)                                | ৱৈক নায়ক                        | .... ১৪৭ |

|  |                       |           |
|--|-----------------------|-----------|
| • ଦହି ନବ ଦହି ! ମାଣିକ ପାଶୀ ଦହି !! (କବିତା) | ଲଂଜିନିଯର ରଘୁନାଥ ପାତ୍ର | .... 9 ୪୭ |
| • ଲୀଳାମୟ ପ୍ରଭୁ ଦୟାଲୁ ଠାକୁର (କବିତା)       | ମିନତି ମହାପାତ୍ର        | .... 9 ୪୮ |
| • ମନରେ ଯିବା ପୁରୁଷୋରମ (କବିତା)             | ସୁବାସ ଚନ୍ଦ୍ର ବିଶି     | .... 9 ୪୯ |
| • ଆହେ ଜଗତ ଗୋଟାଇଁ (କବିତା)                 | ସଂଗ୍ରାମ କେଶରୀ ମହାନ୍ତି | .... 9 ୫୦ |
| • ଚକାନୟନ (କବିତା)                         | ବାଲକାନୟ ଦାସ           | .... 9 ୫୦ |
| • କାଳିଆ ପାଖରେ ଅଳି (କବିତା)                | ବୁଦ୍ଧଦେବ ଦାସ          | .... 9 ୫୦ |
| • ଭୁମେ ଏକା ବନ୍ଧୁରେ ବନ୍ଧୁ (କବିତା)         | ଶକୁତ୍ତଳା ଆଚାର୍ୟ       | .... 9 ୫୧ |
| • ପଦେ : ଚକାଆଖକୁ (କବିତା)                  | ମନୋରଞ୍ଜନ ମିଶ୍ର        | .... 9 ୫୧ |
| • ହେ ବିଶ୍ୱ ସମ୍ବାଧ (କବିତା)                | ଉର୍ମିଲା ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ       | .... 9 ୫୨ |
| • କାଳିଆ ପାଖକୁ ଚିଠିଟିଏ (କବିତା)            | ବିଜୟଲକ୍ଷ୍ମୀ ରାୟ       | .... 9 ୫୨ |
| • କଳାଚାନ୍ଦ (କବିତା)                       | ଚନ୍ଦ୍ରଶେଖର ପଣ୍ଡା      | .... 9 ୫୩ |
| • ଭାବ ଦର୍ଶନ (କବିତା)                      | ଅଲେଖ ଚରଣ ରାଉଡ଼        | .... 9 ୫୩ |
| • ଫୁଲଟିଏ ମୋତେ କର ମହାବାହୁ (କବିତା)         | ଶରତ କୁମାରୀ ମିଶ୍ର      | .... 9 ୫୪ |
| • ଆସିଛି ରଥ ଯାତରା (କବିତା)                 | କୁନଳତା ତ୍ରିପାଠୀ       | .... 9 ୫୪ |
| • ପଞ୍ଚଭୂତ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ଧାଥ (କବିତା)            | ସମେଶ୍ଵର ରାଉଡ଼         | .... 9 ୫୫ |
| • କଷ୍ଟବଚ (କବିତା)                         | ମନୋରମା ପ୍ରଧାନ         | .... 9 ୫୫ |
| • ଅନୁଭବର ଠାକୁର (କବିତା)                   | କରୁଣାକର ଦୀକ୍ଷିତ       | .... 9 ୫୫ |
| • ନନ୍ଦିଘୋଷ ରଥେ କଳା ବାମନ (କବିତା)          | ଅନନ୍ତ ଗୋପାଳ ପଣ୍ଡା     | .... 9 ୫୬ |
| • ଶ୍ରୀଲକ୍ଷ୍ମୀପତି ଜଗନ୍ନାଥ (କବିତା)         | ଲଂ. ଫରିଦା ବେଗମ        | .... 9 ୫୬ |

